मिशन शक्ति - भाग - 03

सत्र - 2021 - 22

21.08.2021.

आज मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय में सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं का विषय के प्रति अभिमुखीकरण किया गया।

"चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो" विषय पर छात्राओं को परामर्श दिया गया। जागरूकता के संवर्धन हेतु महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक रैली भी आयोजन किया गया।

दि० 26-8-21।

'महिला समानता दिवस'

विषय - 'महिला उद्यमिता का विकास'

हरिश्चन्द्र स्ना० महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'मिशन शक्ति' (चरण 3) के अन्तर्गत आज दि० 26-8-21 को 'महिला समानता दिवस' के अवसर पर 'महिला उद्यमिता का विकास' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य आज कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति अंजिला अग्रवाल जी थी जो वाराणसी की महिला उद्यमी है और इनके प्रोडक्ट विदेशों में निर्यात किये जाते हैं, अपने ~~[illegible]~~ भाषण के द्वारा उन्होंने अपने व्यापारिक जीवन के निजि अनुभवों को साझा करते हुए छात्राओं को बताया कि कैसे अनुशासित रहकर और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर वो इस मुकाम पर पहुंची है। कार्यक्रम में डा० पी० के० पाण्डेय, जी ने भी अपना वक्तव्य दिया अंत में प्राचार्य डा० अनिल प्रताप सिंह के द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए छात्राओं को सम्बोधित किया गया। धन्यवाद ज्ञापित डा० अनीता सिंह के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डा० अनुपम शाही के द्वारा किया गया। इस अवसर पर ~~कई~~ महाविद्यालय के अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के साथ-साथ आज महाविद्यालय द्वारा भाषण और निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भागी प्रतिभागिता की।

-:-

28-8-21 (शनिवार)

आज दिनांक 28-8-21 को [illegible] स्नातकोत्तर महाविद्यालय
वाराणसी में 'मिशन शक्ति' तृतीय चरण के अन्तर्गत छात्राओं
हेतु परामर्श सत्र आयोजित किया गया। डा० अनुपमा शाही
असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग एवं डा० नीलम
उपाध्याय, असिस्टेंट प्रोफेसर मनोविज्ञान विभाग एवं डा०
संगीता श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष गणित विभाग द्वारा छात्राओं
की विभिन्न समस्याओं पर व्यक्तिगत और सामूहिक
रूप से परामर्श किया गया। इसी कार्यक्रम में डा०
तेजस कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा विभाग
द्वारा छात्र-छात्राओं को योग एवं व्यायाम के बारे में
प्रशिक्षित किया गया, जिसके तथा कोविड-19 से
बचाव हेतु प्राणायाम भी सिखाया गया जिससे उनकी
इम्युनिटी वर्धन हो सके। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य
डा० अखिल प्रताप सिंह जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम
का संचालन डा० सुमन सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर, रसायन
विज्ञान विभाग के द्वारा किया गया। इस अवसर
पर महाविद्यालय के कई अध्यापक एवं कर्मचारी
उपस्थित रहे।

दिनांक - 4-9-2021 शनिवार

हरिश्चन्द्र स्ना० महाविद्यालय वाराणसी द्वारा आयोजित 'मिशन शक्ति' योजनांतर्गत आज दिनांक - 4-9-2021 को 'महिला पोषण स्थिति एवं समाधान'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डा० अनिल प्रताप सिंह जी ने की, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा० आकृति मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर आहार एवं पोषण विज्ञान, श्री अग्रसेन कन्या पी० जी० कॉलेज वाराणसी थीं। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में महिलाओं के पोषण स्थिति एवं समाधान पर अपने व्याख्यान में महिलाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला उन्होंने पोषण पर प्रकाश डालते हुए 'कुपोषण छोड़ पोषण की ओर थाम क्षेत्रीय भोजन की डोर'' थाम क्षेत्रीय भोजन की डोर' जैसी महत्वपूर्ण बात कही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा० अनिल प्रताप सिंह जी ने इस विषय में जागरूकता की जरूरत क्यों है, इस विषय पर प्रकाश डाला तथा महिलाओं को पोषण की क्यों ज्यादा आवश्यकता होती है इस बात को प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सम्मानित विद्वान शिक्षकगण भी उपस्थित रहे, इनमें प्रमुख रूप से डा० प्रभाकर सिंह डा० पी० के० पाण्डेय, डा० वी० के० राय, डा० संगीता श्रीवास्तव डा० अनुराधा राय डा० संजय कुमार सिंह डा० सीमा सिंह आदि उपस्थित रहे. तथा अपनी - अपनी भूमिका का निर्वहन किया, कार्यक्रम का संचालन 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम की समन्वयक डा० अनुपम शाही तथा धन्यवाद ज्ञापन डा० संगीता श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस प्रकार इस अवसर पर कॉलेज के 100 से ज्यादा छात्रा तथा छात्र तथा 25 शिक्षकगण उपस्थित थे।

शनिवार

दिनांक - 11-9-2021

आज दिनांक 11-9-21 को हरिश्चन्द्र स्ना० महाविद्यालय में "मिशन शक्ति" कार्यक्रम के अन्तर्गत हरिश्चन्द्र स्ना० 'महिला सुरक्षा' विषय पर पुलिस अधिकारियों के साथ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष श्रीमती महिला प्रजापति, थाना कोतवाली महिला थाना वाराणसी थीं। कार्यक्रम का प्रारम्भ संयोजिका डा० अनुपम शाही के विषय स्थापना से प्रारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में बताया कि सर्वप्रथम लड़कियों को स्वयं जागरूक रहना होगा और उन्हें किसी को स्वयं कोई मौका नहीं देना चाहिए। यदि किसी घटना की घटित होने की संभावना हो तो पुलिस के हेल्पलाईन नं. की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सभी नम्बरों पर त्वरित कार्यवाही होती है। कार्यक्रम में मुख्य निर्णायक डा० पी०के० पाण्डेय जी ने अपने संबोधन करते हुए बताया कि महिला सुरक्षा की समस्या तो प्रारम्भ से ही रही है। लेकिन आज सरकार द्वारा प्रावधान किये गये हैं अतः इससे उम्मीद बंधी है कि भविष्य में यह समस्या कम होगी, इसके लिए छात्राओं को जागरूक रहना बहुत आवश्यक है, क्योंकि यदि आधी आबादी असुरक्षित रहेगी तो कोई देश समाज प्रगति कर ही नहीं सकता। कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देते हुए डा० संजय कुमार सिंह जी ने बताया कि आज महिला सुरक्षा की जो समस्यायें हैं उसमें हमारी शिक्षा प्रणाली, हमारी सोच और सामाजिक व्यवस्थायें जिम्मेदार हैं अतः इस समस्या पर पुनर्विचार की जरूरत है। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डा० अखिलेश्वर सिंह जी ने बताया कि लड़कियों को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और चुप्पी को तोड़ना होगा, घटना होती भी है तब भी आपको प्रतिकार करना होगा और स्वयं की कमजोरियों

मजबूत समझ, कानून और व्यवस्थाएं सभी आपके साथ हैं और हम भी उम्मीद रखते हैं कि भविष्य में हम इस समस्या से निजात पा लेंगे और महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों के भी काउंसलिंग की आवश्यकता है और पुरुषवादी मानसिकता में बदलाव होगा तभी समाज विकसित होगा। कार्यक्रम का संचालन डा० सीमा व श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

आज दिनांक - 18 सितंबर 2021 को हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय वाराणसी में 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत 'लैंगिक समानता एवं महिला सुरक्षा' विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कचहरी के वरिष्ठ अधिवक्ता खण्डपीठ उच्च न्यायालय रहे, उन्होंने विषय पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों एवं उनके रोकथाम के उपायों को बताते हुए सामाजिक जागरूकता पर बल देने की बात कही। कार्यक्रम में कार्यक्रम की समन्वयक डा० अनुपम शाही, डा० प्रभाकर सिंह, डा० अनिता सिंह, डा० लीना श्रीवास्तव, डा० अनुराधा राय, डा० संजय सिंह सहित महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं ने भागीदारी की।

कार्यक्रम का संचालन डा० अनुपम राय ने और धन्यवाद ज्ञापन डा० अनिता सिंह ने किया।

आज दि० 25-9-2021 को श्रीगणेशराय स्ना० महाविद्यालय डोभी, जौनपुर में 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत महिलाओं में उद्यमिता विकास विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती शालिनी नागरानी जो कि एक सफल उद्यमी हैं। कार्यक्रम में इन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए, छोड़कर इन्होंने अपना उद्यम को प्रारम्भ करने के साथ-साथ किसी उद्यम को प्रारम्भ करने के लिए आवश्यक प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आप वही कार्य करें जिसमें आपकी रुचि हो, क्योंकि अपनी रुचि का कार्य करने में आत्म संतुष्टि की प्राप्ति होती है, असफलताएँ तो आती हैं परन्तु उनसे निराश नहीं होना है, उन्होंने केमिकल फ्री उत्पाद शुरू करने के लिए आवश्यक फूड लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को भी बताया। कार्यक्रम को महाविद्यालय के प्राचार्य डा० अनिल प्रताप सिंह ने भी सम्बोधित किया, उन्होंने बताया कि वैसे चार प्रकार की उद्यमशीलता बताई जाती है, परन्तु यह दुर्भाग्य है कि हमारे यहाँ नकल वाली उद्यमशीलता ज्यादा पाई जाती है। असफलता से कुछ नया सीखें, उन्होंने सुझाव दिया कि किसी भी कार्य को छोटा समझना अथवा संकोच करना उद्यमशीलता के लिए नकारात्मक है। साथ ही नए उद्यमियों के आगे बढ़ने के लिए उन्होंने सरकार से संरक्षण की नीति अपनाने का आह्वान भी किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएँ तथा प्राध्यापक जुड़े रहे, कार्यक्रम का संचालन डा० अनुराधा राय ने किया। डा० संगीता श्रीवास्तव ने वक्ता का परिचय कराते हुए विषय पर प्रकाश डाला तथा डा० अनिता सिंह ने मुख्य वक्ता सहित सभी का आभार प्रदर्शन किया।

आज दि० 2-10-23 को [illegible] स्ना० महाविद्यालय में महात्मा गांधी और श्री प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के सभी कर्मचारी द्वारा माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करते हुए ~~महात्मा~~ महात्मा गांधी के विचार दर्शन पर विमर्श का आयोजन किया गया, और इसी अवसर पर 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत एक विमर्श का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक था "महात्मा गांधी की दृष्टि में नारीशक्ति"। मिशन शक्ति संयोजक डा० अनुपम शाही ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और स्वागत भाषण डॉ० अनिल सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं डा० ज्योत्सना चतुर्वेदी जी थीं जिन्होंने अपने संबोधन में महात्मा गांधी के समग्र विचार दर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का यह मानना था कि महिलाओं की उन्नति के बगैर हिंदुस्तान कभी स्वराज नहीं हो सकता, इसी क्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० पंकज कुमार सिंह ने अपने व्याख्यान में गांधी के चिन्तन दर्शन में नारी पक्ष को स्थापित करते हुए यह बताया कि नारीवाद गांधीवाद, ही गांधीवाद ही है और कोई भी समाज नारी के सशक्त होने से ही मजबूत हो सकता है। विमर्श के क्रम में डा० विश्वनाथ वर्मा, डॉ० अतुल कु० तिवारी ने भी अपने विचार रखे, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा० मनिन्द्र प्रकाश सिंह ने की जिन्होंने सम्यक् रूप से गांधी और नारी शक्ति के बारे में अपने विचार दिये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ० संगीता श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ, इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्रामभारे

आज दिनांक 7-10-21 को 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'महिला सुरक्षा' के विविध प्रावधान" विषयक एक संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें थाना कोतवाली से सी इंस्पेक्टर श्री दुर्गा प्रसाद यादव, श्री मुसाफिर राम और महिला कांस्टेबल शिल्पा गुप्ता और उनकी पूरी टीम ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ महाविद्यालय की संयोजिका डा० अनुपम शाही ने विषय स्थापना करते हुए महिला सुरक्षा के विविध आयामों पर चर्चा की। तत्पश्चात पुलिस अधिकारियों द्वारा महिलाओं की सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न हेल्पलाइन नं० बताए गए और बताया कि किसी भी बच्ची के साथ कभी कोई दिक्कत हो तो अब सभी थानों पर 2 महिला पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहती हैं और वे बेखौफ होकर थाने में अपनी समस्या के निवारण हेतु आ सकती हैं। महिला कांस्टेबल शिल्पा गुप्ता ने मार्शल आर्ट का भी प्रशिक्षण दिया, कार्यक्रम में डा० संगीता श्रीवास्तव ने भी अपनी बात रखी। इस संवाद में छात्राओं द्वारा अनेक सवाल उठाए गए जिनका समाधान पुलिस अधिकारियों द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० संजय सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकों की उपस्थिति रही।

16-10-21
शनिवार

हरिश्चन्द्र स्ना० महाविद्यालय वाराणसी द्वारा आयोजित
'मिशन शक्ति', की जनजागृति माह में दिनांक 16-10-21
को 'लैंगिक समानता और मनोवैज्ञानिक चुनौतियां'
विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डा० रजनीश झा असिस्टेंट
प्रोफेसर (मनोविज्ञान) रहे। डा० रजनीश झा ने अपने
उद्बोधन में लैंगिक असमानता के कारण बताते हुए
प्राचीन युग से आधुनिक युग तक अनेक कारण
बताते हुए कहा कि पुरुष वर्चस्व ही इसका सबसे
बड़ा कारण है, उन्होंने इस समस्या के हल और
समाधान के तरीके भी बताए क्यों परिवार की
इज्जत को मात्र लड़कियों से ही जोड़कर
न रखा जाए, तथा पतिव्रता क्यों केवल स्त्री
ही रहे? आदि अनेक चुनौतियों को उद्धृत किया।
कार्यक्रम की शुरुआत में विषय स्थापना डा०
संगीता श्रीवास्तव द्वारा किया गया, साथ ही
इस कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित
रहे और बालिका सुरक्षा पर उनसे बहुत सी बातें
की गईं। कार्यक्रम का संचालन डा० अनुराधा राय
द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डा० अनुपम शाही द्वारा
प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के
सम्मानित शिक्षकगण भी उपस्थित रहे इनमें
प्रमुख रूप से डा० प्रभाकर सिंह, डा० अमिता सिंह,
डा० अमिता कौल, डा० पी० के० पाण्डेय, डा० संजय कु०
सिंह आदि उपस्थित रहे तथा अपनी-अपनी भूमिका
का निर्वहन किया। कार्यक्रम का प्रसारण यूट्यूब पर भी
किया गया।